एस. पी. मारवाह जी की पुस्तकों के विमोचन के अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

05 मई 2022

कर्नल एस. पी. मारवाह एवं श्रीमती सुरेश मारवाह जी की पुस्तकों के विमोचन समारोह में उपस्थित होकर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।

आज का यह दिन महत्वपूर्ण है कि श्रीमती सुरेश मारवाह और कर्नल एस. पी. मारवाह जी की पुस्तकों का विमोचन एक साथ इस राजभवन परिसर में हो रहा है।

इन दो किताबों के माध्यम से उनके अनुभव, विचार, चिन्तन एवं ज्ञान को मैने गहराई से देखने और समझने का अवसर मिलेगा क्योंकि कर्नल एस. पी. मारवाह जी और मैनें एक लम्बा समय साथ – साथ बिताया है, हमारी यादें और सीख एक दूसरे से जुड़ी हैं।

साथ ही श्रीमती मारवाह की लिखी पुस्तक द्वारा एक नारी शक्ति की यादों के माध्यम से एक सैन्य परिवार, वातावरण और समाज के विषय में जानने और सीखने का अवसर मिलगा।

उनकी MY MEMOIRS: Reminiscences of Army Life के माध्यम से विभिन्न भूमिकाओं में एक नारी के चिन्तन और संघर्षों का पता चलता है।

मेरा मानना है कि किताबों ने ही दुनियाँ के रहस्यों को उजागर किया, उन्हे सुरक्षित रखा और अनगिनत पीढियों तक एक दूसरे के पास पहुँचाया है।

भारत की यह महान् उपलब्धि है कि हमारे ऋषियों ने ऋग्वेद के रूप में पहली पुस्तक इस दुनियां को दी थी। हमारे पास वेद, उपनिषद्, पुराण, रामायण, महाभारत, गीता, गुरु ग्रन्थ साहिब और अनगिनत ग्रन्थ विद्यमान हैं।

कर्नल मारवाह की नौ पुस्तकें पूर्व में प्रकाशित चुकी हैं और दसवीं पुस्तक के रूप में EVENING OF LIFE हमारे सामने है।

श्रीमती मारवाह की पुस्तक MY MEMOIRS: Reminiscences of Army Life भी एक अनमोल खजाने के रूप में हमारी धरोहर बन गयी है।

कर्नल मारवाह नें 'जीवन की शाम' के रूप में एक अलग ही विषय को चुना जो हमारी युवा पीढ़ी के लिए एक

उपयोगी विचार, एक चिन्तन देते हुए जीने की राह दिखाता है।

मानव स्वभाव ऐसा है कि हर कोई बूढ़ा नही होना चाहता है, किन्तु लंबा जीवन जीना चाहता है। वास्तव में आम तौर पर कोई भी कल्पना नहीं करता है कि वह कभी बूढ़ा हो जाएगा, लेकिन ऐसा होना तय है।

'जीवन की शाम' जीवन के सबसे महत्वपूर्ण अध्यायों में से एक है। इस दौरान व्यक्ति अलग चुनौतियों का सामना करता है। व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक चुनौतियां बढ़ती रहती हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पहले से तैयारी करना ही एकमात्र विकल्प बचा है।

जीवन के संध्याकाल की चुनौतियों का सामना करने के लिए मनुष्य को बदलते रहना चाहिए। मेरा विश्वास है कि युवा पीढ़ी के लिए सबक सीखने और योजना बनाने के लिए, यह पुस्तक मददगार हो सकती है।

श्रीमती सुरेश मारवाह जी नें MY MEMOIRS, Reminiscences of Army Life के माध्यम से एक सेन्य अधिकारी की अर्धांगिनी होने के नाते सेना के माहौल और वातावरण से तालमेल बनाने के बारे में लिखा है।

उनके जीवन की यादें जो कि हमारे जीवन से भी जुड़ीं हैं, किन्तु उन यादों को श्रीमती मारवाह के दृष्टिकोण से देखना और समझना एक अलग ही सुखद अहसास है।

हम सबका अपने परिवार, समाज, संस्कृति, वातावरण और जीवन को देखने –समझने का एक अलग नजरिया रहता है।

अपने जीवन के माध्यम से एक दिलचस्प कहानी को दुनिया के साथ साझा करने के लिए पुस्तक लिखना सचमुच अनोखा काम है। आपकी इस किताब के माध्यम से आने वाली पीढ़ियां प्रेरणा ले सकती हैं।

एक महिला की भूमिका एक बेटी, बहन, पत्नी, बहू, भाभी, सास या इससे भी अधिक बहु–आयामी रहती है। एक महिला के जीवन में स्वयं के माता–पिता, पति, बच्चे सभी अलग –अलग रिश्तों को संजोने और संवारने में अलग–अलग चुनौतियाँ हैं।

एक सैन्य वातावरण में एक सशस्त्र बल कर्मियों से विवाहित महिला की चुनौतियाँ को समझने के लिए श्रीमती मारवाह जी का चिन्तन आम नागरिकों और भावी सैन्य पीढ़ी को एक राह दिखाने वाला हो सकता है।

एक पूर्व सैन्य अधिकारी और उनकी जीवन संगिनी के द्वारा पुस्तकों के माध्यम से समाज को सीख देने के लिए किये गये अनोखे कार्य के लिए दिल की गहराईयों से बधाई देता हूँ। साथ ही आप के सुखद भविष्य की कामना करता हूँ।

इस समारोह में उपस्थित आप सभी के प्रति सद्भावना व्यक्त करता हूँ। मुझे आशा है कि यह समारोह हम सभी के लिए प्रेरणादायी हुआ हो।

जय हिन्द

OTHER BOOKS BY THE AUTHOR

1. My Perception Through Journey of Life
2. Setting National Agenda – Progressive development of the Nation
3. Mera Hindustan – A dream: United States of India
4. Gender Inequality – Need for Change of Mindset
5. Hamara Hindustan – A dream: Can we realize
6. Evolving Middle Class – Need for Course Correction
7. Have I Failed India
8. Reflections
9. In Search of God
10. “Never say die” My story – Autobiography